

पंजीलि

81

नवीत प्रमाण / 2354/16

न्यायालय माननीय राजस्व मण्डल मध्य प्रदेश ग्वा खिर

प्रकरण क्रमांक 12014 निगरानी-2354-I-16

श्याम सुन्दर पुत्र हरकिसन,
निवासी ग्राम गौसी, तैस्वी नौसी,
जिला मिड-मण्डल।

----- प्राधी

बिराध

कस्तूरीबाई पत्नी बहादुर सिंह,
निवासी ग्राम गौसी, तैस्वी नौसी,
जिला मिड (मध्य प्रदेश)।

----- प्रतिप्राधी

निगरानी बिराध जादेश अपर कलेक्टर महोदय, मिड दिनांकी
१८-६-१६, कर्तव्य अधारा ५० मध्य प्रदेश मू-राजस्व अधिस्ता, १६५६।
प्रक्रमांक ६।१५-१६ निगरानी।

श्रीमान् जी,

निगरानी का प्राधी पत्र निम्नानुसार प्रस्तुत है :-

- १- यह कि, अधीनस्थ न्यायालयों की वाशरें कानून सही नहीं है।
- २- यह कि, अधीनस्थ न्यायालयों ने प्रकरण के स्वरूप एवं कानूनी स्थिति को सही नहीं समझा है।
- ३- यह कि, अपर कलेक्टर महोदय की निगरानी प्रकरण खण करने का कानून अधिकार न था। उनके अध्या प्रस्तुत निगरानी जादेश-पत्र प्रकलन योग्य न होने से उन्हें प्रकरण में गुण दोनों पर जादेश पारित किये जाने के अधिकार नहीं होने से, शून्य एवं निष्प्रभावी होने से निरस्त योग्य था।
- ४- यह कि, कानून अपर कलेक्टर महोदय की निगरानी में

दिनांक 19-7-16 को
श्री राजू के कार्यालय
कोर्ट का प्रमाण

19-7-16
50

2354/16

कारी
कर्ता
धारों

B/2
भूमि
क्षमण
जे में
क.
को
व में
।
समे
2291
देया।
पेश
विधि
द्वान
ताये
मांव
केया

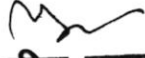
3

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश - ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक - निगरानी-2354-एक/16

जिला - भिण्ड

स्थान एवं दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
5-12-18	<p>आवेदक अधिवक्ता श्री एस.के. अवस्थी उपस्थित। आवेदक की ओर से यह निगरानी अपर कलेक्टर के आदेश के विरुद्ध प्रस्तुत की गई है। म.प्र. भू-राजस्व संहिता में दिनांक 25.09.2018 को हुए संशोधन के फलस्वरूप अब नवीन संशोधित संहिता की धारा 50 सहपठित संहिता की धारा 54(ए) के अंतर्गत अपर कलेक्टर द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध सुनवाई आयुक्त द्वारा की जाना है। अतः यह प्रकरण सुनवाई हेतु आयुक्त को भेजा जाता है। उभयपक्ष प्रकरण में सुनवाई हेतु दिनांक 26-2-19 को आयुक्त चंबल संभाग मुरैना के समक्ष उपस्थित हों।</p> <p style="text-align: right;">  प्रशासकीय सदस्य </p>	